No. of Printed Pages : 6

# MHD–004

## हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि ( एम. ए. हिन्दी )

## ( एम.एच.डी. )

## सत्रांत परीक्षा

## दिसम्बर, 2024

## एम.एच.डी.–004 : नाटक और अन्य गद्य विधाएँ

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

---

***नोट : प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष प्रश्नों में से किन्हीं* ***चार*** *को उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) सेत सेत सब एक से, जहाँ कपूर कपास।
ऐसे देस कुदेस में, कबहुँ न कीजै बास।।
कोकिल बायस एक सम, पंडित मूरख एक।
इन्द्रायन दाड़िम विषय, जहाँ न नेकु बिबेक।।

(ख) अपनी जिन्दगी चौपट करने का जिम्मेदार मैं हूँ।
तुम्हारी जिन्दगी चौपट करने का जिम्मेदार मैं हूँ।
इन सबकी जिन्दगियाँ चौपट करने का जिम्मेदार मैं हूँ। फिर भी मैं इस घर से चिपका हूँ, क्योंकि अंदर से मैं आरामतलब हूँ, घरघुसरा हूँ, मेरी हड्डियों में जंग लगा है।

(ग) मैं खुद भी एक मजदूर हूँ
मैं खुद भी एक किसान हूँ
मेरा पूरा जिस्म दर्द की तस्वीर है
मेरी रग-रग में नफरत की आग भरी है
और तुम कितनी बेशर्मी से कहते हो
कि मेरी भूख एक भ्रम है
और मेरा नंगापन एक ख्वाब

एक औरत जिसके लिए तुम्हारी बेहूदा शब्दावली में
एक शब्द भी ऐसा नहीं
जो उसके महत्व को बयान कर सके।

(घ) दम्पत्ति सुखी नहीं हो सके, यह कहना व्यर्थ है। दासों का एक से दो होना प्रभुओं के लिए अच्छा हो सकता है, दासों के लिए नहीं। एक ओर उससे प्रभुता का विस्तार होता है और दूसरी ओर पराधीनता का प्रसार। स्वामी तो साम-दाम-भेद द्वारा उन्हें परस्पर लड़ाकर दासता को और दृढ़ करते रहे हैं और दास अपनी विवश झुँझलाहट और हीनभावना के कारण एक-दूसरे के अभिशापों को विविध बनाकर उससे बाहर आने का मार्ग अवरुद्ध करते रहते हैं।

(ङ) श्यामा चाहती कि मैं सदैव कविता में डूबा रहूँ। कविता में मेरा भविष्य शायद ही उसने देखा होगा, पर इतना तो उसने अनुभव ही किया होगा कि काव्य सृजन में ही मेरा मन कुछ शांति, कुछ मुक्ति पाता है, जो अन्यथा उद्विग्न, उद्भ्रांत अथवा अशांत रहता है।

2. भारतेन्दु के नाटक 'अंधेर नगरी' के महत्व और प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए। 16

3. जयशंकर प्रसाद के नाटकों में 'स्कंदगुप्त' का स्थान निर्धारित कीजिए। 16

4. 'आधे-अधूरे' नाटक में स्त्री-पुरुष सम्बन्धों का विवेचन कीजिए। 16

5. 'अंधायुग' नाटक की कथावस्तु की पौराणिकता और मंतव्य की समकालीनता का तुलनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 16

6. 'ताँबे के कीड़े' की प्रतीकात्मकता का विश्लेषण कीजिए। 16

7. व्यंग्य निबंध की विशेषताओं के आधार पर 'तीसरे दर्जे के श्रद्धेय' का मूल्यांकन कीजिए। 16

8. 'लोभ और प्रीति' नाटक के आधार पर रामचन्द्र शुक्ल मनोविज्ञान विषयक निबन्धों की विशेषताएँ बताइए। 16

9. 'वसंत का अग्रदूत' संस्मरण के आधार पर निराला के व्यक्ति-चित्र की विशेषताएँ बताइए। 16

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

2×8=16

(क) 'स्कंदगुप्त' की ऐतिहासिकता

(ख) 'कलम का सिपाही' के प्रेमचंद

(ग) रिपोर्ताज और 'अदम्य जीवन'

(घ) रेखाचित्र और संस्मरण

× × × × × × ×